**£ÀªÀÄÆ£É ¥ÀvÀæ-4**

**¥Àj²Ã®£ÉAiÀÄ ªÉÃ¼ÉAiÀÄ°è C¹ÛvÀézÀ°ègÀÄªÀ PÁ¯ÉÃdÄUÀ¼À/¸ÀA¸ÉÜUÀ¼À ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀÄ ¸ÀÜ½ÃAiÀÄ «ZÁgÀuÁ ¸À«ÄwUÉ MzÀV¸À¨ÉÃPÁzÀ ªÀiÁ»wUÀ¼ÀÄ**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1. | **PÁ¯ÉÃdÄ/¸ÀA¸ÉÜAiÀÄ ºÉ¸ÀgÀÄ ªÀÄvÀÄÛ «¼Á¸À** | | | | : |  | | | | | |
|  | C) | ¸ÀA¸ÉÜAiÀÄÄ ¥Àj²µÀÖ eÁw/ ¥Àj²µÀÖ ¥ÀAUÀqÀ/ C®à ¸ÀASÁåvÀ DqÀ½vÀ ªÀÄAqÀ½¬ÄAzÀ £ÀqÉ¸À®àqÀÄwÛzÉAiÉÄÃ? | | | : | ºËzÀÄ | | | | E®è | |
|  | D) | ºÁ° ¸ÀA¸ÉÜ 1 (C) zÀ°è w½¹zÀ ªÀUÀðPÉÌ ¸ÉÃjzÀ §UÉÎ ¸ÀgÀPÁgÀ¢AzÀ ªÀiÁ£ÀåvÉ EzÉAiÉÄÃ? ºËzÁzÀ°è ¸ÀA§A¢ü¹zÀ ¥Áæ¢üPÁgÀ¢AzÀ ¤ÃqÀ®àlÖ zÀÈrüÃPÀgÀt ¥ÀvÀæzÀ ¥ÀæwAiÀÄ£ÀÄß ®UÀwÛ¸ÀÄªÀÅzÀÄ. | | | : |  | | | | | |
| 2. | C) | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ ºÉ¸ÀgÀÄ, «zÁåºÀðvÉ, «¼Á¸À (zÀÆgÀªÁtÂ ¸ÀASÉå, ¥sÁåPïì ªÀÄvÀÄÛ E-ªÉÄÊ¯ï «¼Á¸ÀUÀ¼ÉÆA¢UÉ) | | | : |  | | | | | |
|  | D) | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ £ÉÃªÀÄPÁw «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ¢AzÀ CAVÃPÀÈvÀªÁVzÉAiÉÄÃ? | | | : | ºËzÀÄ | | | E®è | | |
| 3. | **PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ¼À «ªÀgÀ : (¸ÀA¥ÀÆtð ªÀiÁ»wAiÉÆA¢UÉ);** | | | | | | | | | | |
|  | PÀæªÀÄ ¸ÀASÉå | | | FVgÀÄªÀ PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ¼ÀÄ | | | ¸ÀAAiÉÆÃd£É PÉÃ½gÀÄªÀ PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ¼ÀÄ / «µÀAiÀÄUÀ¼ÀÄ | | | | |
|  |  | | |  | | |  | | | | |
|  |  | | |  | | |  | | | | |
| 4. | (C) | **PÁ¯ÉÃf£À°è FUÁUÀ¯ÉÃ C¹ÛvÀézÀ°ègÀÄªÀ PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ½UÉ ¸ÀA§A¢ü¹zÀAvÉ ®¨sÀå«gÀÄªÀ ¸Ë®¨sÀåUÀ¼ÀÄ:** | | | | | | | | | |
|  |  | C) | PÁ¯ÉÃdÄ PÀlÖqÀzÀ §UÉÎ ªÀiÁ»w | | : | ¸ÀéAvÀ | | UÀÄwÛUÉ | | | ¨ÁrUÉ |
|  |  | D) | G¥À£Áå¸À PÉÆoÀrUÀ¼ÀÄ | | : |  | | | | | |
|  |  | E) | ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄ ¸Ë®¨sÀå | | : |  | | | | | |
|  |  | F) | UÀæAxÁ®AiÀÄ ¸Ë®¨sÀå | | : |  | | | | | |
|  | (D) | **EvÀgÀ ¸Ë®¨sÀåUÀ¼ÀÄ** | | | : |  | | | | | |
|  |  | C) | ¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ PÉÆoÀr | | : |  | | | | | |
|  |  | D) | PÀZÉÃj PÉÆoÀr | | : |  | | | | | |
|  |  | E) | CzsÁå¥ÀPÀgÀ PÉÆoÀr | | : |  | | | | | |
|  |  | F) | ¹§âA¢ ªÀ¸Àw UÀÈºÀUÀ¼ÀÄ | | : |  | | | | | |
|  |  | G) | ªÀÄ»¼ÉAiÀÄgÀ «±ÁæAw PÉÆoÀr | | : |  | | | | | |
|  | (E) | **«¸ÀÛgÀuÁ ¸ÀAAiÉÆÃd£É PÉÆÃjgÀÄªÀ PÉÆÃ¸ÀÄðUÀ¼ÀÄ / «µÀAiÀÄUÀ½UÉ MzÀV¸À¨ÉÃPÁzÀ ªÀÄÆ®¨sÀÆvÀ ¸Ë®¨sÀåUÀ¼ÀÄ;** | | | | | | | | | |
|  |  | C) | G¥À£Áå¸À PÉÆoÀrUÀ¼ÀÄ | | : |  | | | | | |
|  |  | D) | CzsÁå¥ÀPÀgÀ PÉÆoÀr | | : |  | | | | | |
|  |  | E) | ¥ÁæAiÉÆÃVPÀ PÉÆoÀrUÀ¼ÀÄ/ ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄ | | : |  | | | | | |
|  |  | F) | UÀæAxÁ®AiÀÄ ªÀÄvÀÄÛ ªÁZÀ£Á®AiÀÄ | | : |  | | | | | |
| 5. | DAiÀÄ-ªÀåAiÀÄUÀ¼ÀÄ «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ (ªÀiÁzÀj ¥ÀvÀæ C zÀAvÉ) | | | | : |  | | | | | |
| 6. | **UÀæAxÁ®AiÀÄ ;** | | | | | | | | | | |
|  | C) | ®¨sÀå«gÀÄªÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¸ÀASÉå | | | : |  | | | | | |
|  | D) | ¤AiÀÄvÀPÁ°PÉUÀ¼À ¸ÀASÉå | | | : |  | | | | | |
|  | E) | ¥Àæ¸ÀÄÛvÀ ¸Á°£À°è RjÃ¢¹gÀÄªÀ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼À ¸ÀASÉå ºÁUÀÆ MlÄÖ ªÀiË®å (©°è£À ¥ÀæwAiÀÄ£ÀÄß ¥Àj²Ã®£ÉUÉ MzÀV¸ÀÄªÀÅzÀÄ) | | | : |  | | | | | |
|  | F) | UÀæAxÀ¥Á®PÀgÀ «zÁåºÀðvÉ | | | : |  | | | | | |
|  | G) | UÀæAxÀ¥Á®PÀgÀ £ÉÃªÀÄPÁwAiÀÄ£ÀÄß AiÀiÁªÀ £É¯ÉAiÀÄ°è ªÀiÁqÀ¯ÁVzÉ? | | |  | SÁAiÀÄA | | | | vÁvÁÌ°PÀ | |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 7. | PÁ¯ÉÃf£À SÁvÉAiÀÄ°ègÀÄªÀ oÉÃªÀtÂ («ªÀgÀUÀ¼ÉÆA¢UÉ) | | : |  | |
| 8. | DqÀ½vÀ ªÀÄAqÀ½ SÁvÉAiÀÄ°ègÀÄªÀ oÉÃªÀtÂ («ªÀgÀUÀ¼ÉÆA¢UÉ) | | : |  | |
| 9. | »A¢£À ªÀµÀðUÀ¼À ¯ÉPÀÌ¥Àj±ÉÆÃzsÀ£É DVzÉAiÉÄÃ? | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 10. | ªÀiÁzÀj ‘D’zÀ°è «zÁåyðUÀ½AzÀ ¸ÀAUÀæ»¹zÀ ±ÀÄ®ÌzÀ «ªÀgÀUÀ¼À£ÀÄß vÀÄA§¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | : |  | |
| 11. | »A¢£À ¸ÀÜ½ÃAiÀÄ «ZÁgÀuÁ ¸À«ÄwAiÀÄÄ «¢ü¹zÀ µÀgÀvÀÄÛUÀ¼À£ÀÄß FqÉÃj¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? E®èªÁzÀgÉ PÁgÀtUÀ¼À£ÀÄß PÉÆrj. | | : |  | |
| 12. | ªÉÄ¯É ¤ÃrgÀÄªÀ ªÀiÁ»wUÀ½UÉ ¥ÀÆgÀPÀªÁV, ±ÉÊPÀëtÂPÀ ZÀlÄªÀnPÉUÀ¼À UÀÄtªÀÄlÖªÀ£ÀÄß ºÉaÑ¸À®Ä PÁ¯ÉÃdÄ ªÀiÁrzÀ ªÀÄÄRå ¥ÀæAiÀÄvÀßUÀ¼À£ÀÄß F PÉ¼ÀV£À PÀæªÀÄzÀ°è «ªÀj¹. | | | | |
|  | C) | ¨ÉÆÃzsÀ£ÉAiÀÄ UÀÄtªÀÄlÖ | : |  | |
|  | D) | «zÁåyðUÀ¼À PÉëÃªÀÄ¥Á®£É | : |  | |
|  | E) | ¹§âA¢UÀ¼À PÉëÃªÀÄ¥Á®£É | : |  | |
|  | F) | DmÉÆÃlUÀ¼ÀÄ ªÀÄvÀÄÛ ¥ÀoÉåÃvÀgÀ ZÀlÄªÀnPÉUÀ¼À GvÉÛÃd£À | : |  | |
|  | G) | ¸ÀªÀiÁd ¸ÉÃªÉ | : |  | |
| 13. | PÁ¯ÉÃf£À DqÀ½vÀ ªÀÄAqÀ½UÉ «±Àé«zÁå¤®AiÀÄzÀ ¥Àæw¤¢üAiÀÄ£ÀÄß £ÉÃªÀÄPÀ ªÀiÁqÀ¯ÁVzÉAiÉÄÃ? ºËzÁzÀ°è DzÉÃ±ÀzÀ ¥ÀæwAiÀÄ£ÀÄß ¥Àj²Ã®£ÉUÉ ¸À°è¸ÀÄªÀÅzÀÄ. | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 14. | «±Àé«zÁå¤®AiÀÄ C£ÀÄzÁ£À DAiÉÆÃUÀzÀ ¤AiÀÄªÀiÁªÀ½ ¥ÀæPÁgÀ CºÀðvÉ¬ÄgÀÄªÀ ¨ÉÆÃzsÀPÀ ¹§âA¢UÀ½UÉ ¸ÀzÀj DAiÉÆÃUÀzÀ ªÉÃvÀ£À ±ÉæÃtÂ ¥ÀæPÁgÀ ªÉÃvÀ£À ¥ÁªÀw ªÀiÁqÀ¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ ªÀÄvÀÄÛ ¨ÉÆÃzsÀPÉÃvÀgÀ ¹§âA¢UÀ½UÉ gÁdå ¸ÀgÀPÁgÀzÀ ªÉÃvÀ£À ±ÉæÃtÂAiÀÄAvÉ ªÉÃvÀ£À ¥ÁªÀw ªÀiÁqÀ¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ? | | : |  | |
| 15. | ¨ÉÆÃzsÀPÀ, ¨ÉÆÃzsÀPÉÃvÀgÀ ¹§âA¢ £ÉÃªÀÄPÁwAiÀÄ°è ºÁUÀÆ «zÁåyð ¥ÀæªÉÃ±ÁwAiÀÄ°è ¸ÀgÀPÁgÀzÀ «ÄÃ¸À¯Áw ¤AiÀÄªÀiÁªÀ½AiÀÄ£ÀÄß ¥Á°¸À¯ÁUÀÄwÛzÉAiÉÄÃ? E®èªÁzÀ°è ¸ÀÆPÀÛ PÁgÀtUÀ¼À£ÀÄß ¤ÃqÀÄªÀÅzÀÄ. | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 16. | PÁ¯ÉÃf£À°è £ÉÃªÀÄPÁw ªÀÄAqÀ½AiÀÄ£ÀÄß ¸ÁÛ¦¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? ºËzÁzÀ°è ¸ÀA§A¢ü¹zÀ zÁR¯É ¥ÀvÀæUÀ¼À£ÀÄß MzÀV¸ÀÄªÀÅzÀÄ. | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 17. | PÁ¯ÉÃf£À°è ªÀÄ»¼Á zËdð£Àå ¤ªÀÄÆð®£Á WÀlPÀªÀ£ÀÄß ¸ÁÜ¦¸ÁVzÉAiÉÄÃ?  (ºËzÁzÀ°è ¸ÀA§A¢ü¹zÀ zÁR¯É ¥ÀvÀæUÀ¼À£ÀÄß MzÀV¸ÀÄªÀÅzÀÄ) | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 18. | PÁ¯ÉÃf£À°è ªÀiÁ£ÀªÀ ºÀPÀÄÌUÀ¼À ¸ÀAWÀªÀ£ÀÄß ¥ÁægÀA©ü¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 19. | PÁ¯ÉÃf£À°è ¸ÁA¸ÀÌøwPÀ ZÀlÄªÀnPÉUÀ¼À ªÉÄÃ°éZÁgÀgÁVgÀÄªÀ «zÁåyð PÉëÃªÀÄ ¥Á®£Á¢üPÁjAiÀÄ£ÀÄß £ÉÃªÀÄPÀ ªÀiÁqÀ¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 20. | PÁ¯ÉÃf£À°è d£Àð°¸ÀA «µÀAiÀÄªÀ£ÀÄß ¨ÉÆÃ¢ü¸ÀÄwÛzÀÝ°è PÀqÁØAiÀÄªÁV ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄzÀ ªÀåªÀ¸ÉÜ PÀ°à¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | : | ºËzÀÄ | E®è |
| 21. | «PÀ®ZÉÃvÀ£À «zÁåyðUÀ½UÉ, ¹§âA¢ ªÀUÀðzÀªÀjUÉ ¥ÀævÉåÃPÀ ±ËZÁ®AiÀÄ ªÀåªÀ¸ÉÜ, °¥sïÖ ªÀåªÀ¸ÉÜUÀ½®è¢zÀÝ°è gÁåAqï£À ªÀåªÀ¸ÉÜAiÀÄ£ÀÄß PÀqÁØAiÀÄªÁV PÀ°à¸À¯ÁVzÉAiÉÄÃ? | | : | ºËzÀÄ | E®è |

¸ÀÜ¼À : **¥ÁæA±ÀÄ¥Á®gÀ ¸À»**

¢£ÁAPÀ:

**ªÀiÁzÀj ¥ÀvÀæ C**

**DAiÀÄ-ªÀåAiÀÄ «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ**

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  | **»A¢£À ªÀµÀð** | | **¥ÀæPÀÈvÀ ªÀµÀð** | | **ªÀÄÄA¢£À ªÀµÀð** | |
| **PÀæ. ¸ÀA.** | **«ªÀgÀUÀ¼ÀÄ** | **ªÁ¸ÀÛªÀ DzÁAiÀÄ** | **ªÁ¸ÀÛªÀ ªÉZÀÑ** | **CAzÁdÄ DzÁAiÀÄ** | **CAzÁdÄ ªÉZÀÑ** | **AiÉÆÃfvÀ DzÁAiÀÄ** | **AiÉÆÃfvÀ ªÉZÀÑ** |
| 1. | ¤ªÀðºÀuÁ §AqÀªÁ¼À |  |  |  |  |  |  |
| 2. | UÀæAxÁ®AiÀÄ ¥ÀÄ¸ÀÛPÀUÀ¼ÀÄ, ¸ÀAaPÉUÀ¼ÀÄ |  |  |  |  |  |  |
| 3. | ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄ G¥ÀPÀgÀtUÀ¼ÀÄ |  |  |  |  |  |  |
| 4. | ¦ÃoÉÆÃ¥ÀPÀgÀtUÀ¼ÀÄ |  |  |  |  |  |  |
| 5. | D¹Û¥Á¹Û |  |  |  |  |  |  |
| 6. | gÁdå ¸ÀgÀPÁgÀzÀ ¸ÀºÁAiÀÄzsÀ£À |  |  |  |  |  |  |
| 7. | PÉÃAzÀæ ¸ÀgÀPÁgÀzÀ ¸ÀºÁAiÀÄzsÀ£À |  |  |  |  |  |  |
| 8. | zÀwÛ ¤¢üUÀ¼ÀÄ |  |  |  |  |  |  |
| 9. | ¨ÉÆÃzsÀ£Á ±ÀÄ®Ì |  |  |  |  |  |  |
| 10. | QæÃqÁ ±ÀÄ®Ì |  |  |  |  |  |  |
| 11. | QæÃqÁ ¸ÀAAiÉÆÃd£Á ±ÀÄ®Ì |  |  |  |  |  |  |
| 12. | «.«. GzÉÆåÃUÀ, ªÀiÁ»w ªÀiÁUÀðzÀ±Àð£À ±ÀÄ®Ì |  |  |  |  |  |  |
| 13. | ¨ÉÃgÉ AiÀiÁªÀÅzÉÃ ±ÀÄ®Ì («ªÀgÀUÀ¼ÉÆA¢UÉ) |  |  |  |  |  |  |

**ªÀiÁzÀj ¥ÀvÀæ D**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **PÀæªÀÄ ¸ÀASÉå** | **±ÀÄ®Ì ¸ÀAUÀæºÀzÀ «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ** | **gÀÆ. UÀ¼À°è** |
| 1. | Cfð ±ÀÄ®Ì |  |
| 2. | £ÉÆÃAzÀtÂ ±ÀÄ®Ì |  |
| 3. | ¥ÀæªÉÃ±À ±ÀÄ®Ì |  |
| 4. | ¨ÉÆÃzsÀ£Á ±ÀÄ®Ì |  |
| 5. | UÀæAxÁ®AiÀÄ ±ÀÄ®Ì |  |
| 6. | ªÁZÀ£Á®AiÀÄ ±ÀÄ®Ì |  |
| 7. | QæÃqÁ ±ÀÄ®Ì |  |
| 8. | «zÁåyð ¸ÀAWÀzÀ ±ÀÄ®Ì |  |
| 9. | ¥ÀæAiÉÆÃUÁ®AiÀÄ ±ÀÄ®Ì |  |
| 10. | ªÉÊzÀåQÃAiÀÄ ¥ÀjÃPÁë ±ÀÄ®Ì |  |
| 11. | ªÀÄAUÀ¼ÀÆgÀÄ «.«. QæÃqÁ ¸ÀAAiÉÆÃd£Á ±ÀÄ®Ì |  |
| 12. | «zÁåyð PÉëÃªÀÄ ¤¢ü |  |
| 13. | ²PÀëPÀgÀ PÉëÃªÀÄ ¤¢ü |  |
| 14. | «.«. GzÉÆåÃUÀ ªÀiÁ»w, ªÀiÁUÀðzÀ±Àð£À ±ÀÄ®Ì |  |
| 15. | ¨ÉÃgÉ AiÀiÁªÀÅzÁzÀgÀÆ zÉÃtÂUÉUÀ½zÀÝgÉ CªÀÅUÀ¼À «ªÀgÀUÀ¼ÀÄ |  |